कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड द्वारा सम्मानित

डॉ. अनुपम जैन, इन्दौर । '' मैंने कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ का गत फरवरी माह में दो बार अवलोकन किया यहां देश एवं प्रदेश के सदूरवर्ती अंचलो में स्थित व्यक्तिगत एवं संस्थागत पाण्डुलिपियों के संग्रहों के सूचीकरण एवं संरक्षण का जो अनुपम कार्य किया गया है वह प्रशंसनीय है। यहां पर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र आदि के भंडारो में सम्मिलित 1,32,732 पाण्डुलिपियों का 7मार्च 2016 तक सूचीकरण किया जा चुका है। इससे इनमें निहित ज्ञान के माध्यम से शोध के नये क्षितिज खुलेंगे। इस हेतु ज्ञानपीठ के सभी प्रबंधकों विशेषतः डॉ. अजितकुमारसिंह कासलीवाल, अध्यक्ष एवं डॉ. अनुपम जैन, कार्यकारी निदेशक को बधाई देता हूँ । उक्त विचार गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के नेशनल हेड डॉ. मनीष विश्नोई ने कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ के पाण्डुलिपि सूचीपत्रों के सबसे बड़े निजी संकलन हेतु प्रमाण पत्र के प्रस्तुतीकरण के अवसर पर व्यक्त किये ।

पं. जयसेन जैन, संपादक– सन्मतिवाणी के मंगलाचरण द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर डॉ. अनुपमा विकास जैन ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं जो राष्ट्रीयन कॉलेज के इन्दौर प्रमुख डॉ. एम. के. ओझा एवं डॉ.मन्मथ पाटनी विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित रहे ।

कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ इन्दौर द्वारा 1993 से अब तक किये गये कार्य और उपलब्धियों का विस्तृत परिचय संस्था सचिव डॉ. अनुपम जैन द्वारा दिया गया । उन्होनें बताया कि नेशनल इस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एवं राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, नई दिल्ली के साथ मिलकर नई दिल्ली में लगाई गई चित्रमय पाण्डुलिपि(31.03.2016 से 08.04.2016 तक) प्रदर्शनी में कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ द्वारा भी 90 चित्रमय पाण्डुलिपियाँ प्रदर्शित की गयी है।

आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ.अजितकुमारसिंह कासलीवाल ने कहा कि यह मेरे पूर्वजों द्वारा बोये गये बीज का सम्मान है। कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ मेरे पूज्य पिताजी श्री देवकुमारसिंह कासलीवाल जी की दूरदृष्टि का प्रतिफल है। उन्होनें सभी समागतजनों विशेषतः डॉ. मनीष विश्नोई का आभार माना ।

नवागढ़जी के वार्षिक मेले में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम ।

विशाल जैन, पवा । महरौनी (ललितपुर) प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़जी में षष्ठ पट्टाचार्य सरागोद्धारक संत आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से वार्षिक मेला का आयोजन श्री 108 आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज की परम शिष्या क्षुल्लिका पूजाभूषण एवं भक्तिभूषण माताजी के पावन सानिध्य में हुआ। दो दिवसीय वार्षिक मेले के समापन पर श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी, जिसमें श्रीजी को विमान में लेकर इन्द्रगण धर्मध्वजा लेकर श्रद्धालु एवं सत्य, अहिंसा के नारे लगाते हुए दूर दराज और निकटवर्ती ग्रामों से पधारें धर्मावलम्बी चल रहे थे ।

विमानोत्सव के उपरांत कलशाभिषेक एवं निर्वाण लाडू चढ़ाकर 18वें तीर्थंकर भगवान अरनाथ स्वामी एवं 14वें तीर्थंकर भगवान अनंतनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक मनाया गया। सुबह प्रतिष्ठाचार्य ब्र. जयकुमारजी 'निशांत' भैया के निर्देशन में मूलनायक भगवान अतिशययुक्त 1008 श्री अरनाथ स्वामी का मस्तकाभिषेक पूजन के उपरांत पुष्पेन्द्र जैन एण्ड प्रिंस ककरवाहा के मधुर संगीत में आचार्य विभवसागरजी महाराज द्वारा रचित सर्वसिद्धि दायक अरनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर भैयाजी ने कहा कि आज का मानव बाहरी परिवेश में सुख शांति को खोज रहा है एवं उसका राग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है जो दु:ख का कारण है । हम वित्त का राग त्याग कर रही वीतरागता को प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें वित्त से तात्पर्य शरीर से संसार तक है ।

कार्यक्रम के शुभारंभ में ध्वजारोहण अभयकुमार रिंकू भदौरा टीकमगढ़ ने किया । शिखरों पर कलशारोहण बाबूलाल जैन टीकमगढ़, आनंदीलाल दुर्ग एवं रमेशचन्द्र बण्डा ने किया । मानस्तंभ के जिनबिम्बों का वार्षिक महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं मंगल आरती के कार्यक्रम में श्रद्धालु प्रभु की भक्ति में झूम उठे । वार्षिक मेले के मुख्य कार्यक्रम दोपहर की बेला में संपन्न हुए, जिसमें क्षेत्र का वार्षिक अधिवेशन के उपरांत विमानोत्सव का आयोजन किया गया एवं निर्वाण लाडू चढ़ाकर अरनाथ स्वामी का मोक्षकल्याणक महोत्सव मनाया । इस अवसर पर क्षुल्लिका पूजाभूषण एवं भक्तिभूषण माताजी ने अपने मंगल प्रवचन में मोक्षमार्ग प्रशस्त करने के लिए तीर्थंकरों के निर्वाण महोत्सव के कार्यक्रम को अतिआवश्यक बताया । उन्होंने नावई के नंदपुर स्थित तीर्थक्षेत्र नवागढ़ के अतिशय का गुणगान करते हुए कहा कि जो सच्ची श्रद्धाभक्ति के इस पर आता है वह कभी खाली हाथ नहीं जाता । कार्यक्रम में नगर व आस पास के कई क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया व जैन युवा जागृति संघ ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह बखूबी किया ।

भारतीय जैन मिलन का क्षेत्रीय अधिवेशन में खुले में शौच क्रिया को प्रतिबंधित में आंशिक छूट हेतु प्रस्ताव पारित कर ज्ञापन प्रेषित्र किया गया ।

अनिल जैन, गंज बासौदा । भारतीय जैन मिलन का क्षेत्रीय अधिवेशन में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि दैनिक समाचार पत्र आचरण ग्वालियर म.प्र.27 मार्च 2016 प्रभूति देश के अधिकांश समाचार पत्रों में प्रमुखता से 'खुले' में शौच या गंदगी पर 5 हजार तक जुर्माना इस समाचार द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' को व्यापक रूप से अमल में लाने के लिए खुले में शौच, पेशाब या कचरा फेंकने पर 200 रूपये से लेकर 5000/– तक अर्थदण्ड वसूल किये जाने का निर्देश दिया गया हैं ।

जैन धर्म के आचार प्रधान ग्रंथों में विहित निर्देशों के अनुरूप दिगम्बर जैन परम्परा के साधक रूप आचार्य, उपाध्याय मुनि, आर्यिका, ऐलक क्षुल्लक, क्षुल्लिका, 9वीं श्रावक श्राविका, ब्रह्मचारी आदि अहिंसा व्रत के परिपालन हेतु खुले स्थान में सदा ही शौच क्रिया का परिचालन करते रहे हैं।

इस निर्देश के परिपालन किए /कराए जाने पर अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में स्वीकृत जैन समुदाय के साधकों आदि को खुले में शौच जाने की क्रिया पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं ।

इस संबंध में माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया कि दिगम्बर जैन धार्मिक ग्रंथो के निर्देशानुरूप अनुपालन करने वालों को इस प्रतिबंध से छूट दिलवाने हेतु उचित संशोधन निर्धारित कर निर्देशित कराया जावे, ज्ञापन में देहरादून, मुजफ्फरनगर, गंजबासौदा, बड़ौत, मेरठ, अशोकनगर, गुना, विदिशा, राधोगढ़, ईशागढ़, इन्दौर, आरोन, भोपाल के अनेकों वरिष्ठ सदस्यों ने सामूहिक हस्ताक्षर किये ।

सीकर जैन समाज का ऐतिहासिक संकल्प

अरुण जैन, कोटा । राजस्थान परम पूज्य 108 मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज एवं मुनि विराटसागरजी महाराज के ससंघ सानिध्य में सीकर जैन समाज ने ऐतिहासिक फैसला लिया, जिसके अंतर्गत अब वैवाहिक तथा सामाजिक कार्यक्रम की सभी मागंलिक क्रियाएँ तथा भोजन सूर्यास्त से पहले संपन्न होगे तथा वैवाहिक तथा सामाजिक कार्यक्रम में बनने वाले भोजन में आलू, प्याज, लहसुन, फुलगोभी तथा समस्त प्रकार के जमीकंद बंद रहेगे ।

मुनि प्रमाण सागर जी महाराज ने सोमवार को नया जैन मन्दिर में आयोजित धर्म सभा में समस्त सीकर जैन समाज के लोगों को इस सन्दर्भ में संकल्प दिलाया । उन्होंने कहा कि आज का दिन सीकर जैन समाज में जैनत्व की जीत के रुप में देखा जायेगा । संकल्प लेने वाली संस्थाओ में भगवान महावीर चेरिटी ट्रस्ट (जैन भवन), पार्श्वनाथ भवन, दीवान जी की धर्मशाला, देवीपुरा धर्मशाला, मोदियों की धर्मशाला, सेठी कालोनी, महावीर भवन आदि में अब रात्रि में वैवाहिक कार्यक्रम निकासी, वरमाला, फेरे एवं भोजन नही होगे । समस्त कार्यक्रम दिन में संपन्न होगे । जैन समाज सीकर की संस्थाएँ जैसे जैन सोश्यल जैन ग्रुप सीकर, जैन महिला मण्डल, जैन सोश्यल ग्रुप शेखावटी, जय जिनेन्द्र ग्रुप, अरिहन्त महिला मण्डल, जैन वीर संगठन, आचार्य विशुद्धसागर बाल मंडल, आचार्य ज्ञान सागर युवा मंच, पुलक जन चेतना मंच आदि संस्थाओं ने जैनत्व को बचाने की इस मुहिम में संकल्प लिया ।

नोट – गोलालारीय दर्शन पत्रिका के लिए सागर, बीना, बबीना, उज्जैन क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय प्रतिनिधि (महिलाये इच्छुक हो तो सादर आमंत्रित है) जो सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में रुचि रखते है वे सादर आमंत्रित है। वे 9406744064 पर संपर्क करे ।